मैंने सोचा-
जरा पुराने युग को वापिस लाया जाये
अब के प्रेम पत्र
थ्रू कबूतर भिजवाया जाये।
मैंने कबूतर के पंजे में चिट्ठी अटकाई और उसे ये बात समझाई-" देखो भाई,
ये तो याद नही
ये कौन से प्यार की कौन सी चिट्ठी है
पर तू यहां से पांच गलियां छोड़ कर
छठी गली में जाना ,वहाँ
गुलाबी छत वाली गुलाबी सी लड़की है न
नीलू
उसकी मम्मी को ये चिट्ठी दे आना।"
कबूतर बोला-"
हे आदिकालीन युग के देवदास
इस ज़माने में भी चिट्ठियों से आस।
अब मैं
ऐसी फालतू उड़ान नहीं भरता हूँ
मैं खुद अपनी कबूतरी को
व्हाट्सएप करता हूँ।'

© अरुण जैमिनी

भारत की घड़ी

एक आदमी ने
धरती से किया प्रस्थान
और यमराज के कक्ष में
घड़ियाँ ही घड़ियां देखकर
रह गया हैरान

हर देश की अलग घड़ी थी
कोई छोटी कोई बड़ी थी
कोई दौड़ रही थी,कोई बंद
कोई तेज थी,कोई मंद
उनकी अलग-अलग रफ्तार देखकर
आदमी चकराया
कारण पूछा तो यमराज ने बतलाया -
हर घड़ी की
उसी हिसाब से है रफ्तार
जिस हिसाब से हो रहा है
उस देश में भ्रष्टाचार

आदमी ने
चारों तरफ नजर दौड़ाई
पर भारत की घड़ी
कहीं भी नजर नहीं आई

आदमी मुस्कुराया
फिर यमराज के कान में फुसफुसाया -
'भारत वाले
भ्रष्टाचार यहां भी ले आए
सच-सच बताओ
भारत की घड़ी न रखने के
कितने पैसे खाए'
यमराज बोले -'बेटा
तेरे शक की सुई
तो बिना बात उछल रही है
मेरे बेडरूम में जाकर देख
पंखे की जगह
भारत की घड़ी चल रही है।'

-अरुण जैमिनी